Dr. Kumari Gayatri Sinha
Dept of History
B.A. part I Hons.
Topic —— The Reformed 1867
Time — 11.30 to 12.15
[redacted]

MEETINGS / APPOINTMENTS
सुधारात्मक →

डिजरैली का सुधार प्रस्ताव —— जनता के आन्दोलन से ~~[illegible]~~ यह स्पष्ट है जनता की सुधारों का विरोध करना उपयुक्त नहीं है। कि सुधार के लिए तैयार हो गये और इसका श्रेय खुद ही लेना चाहते थे। डिजरैली शुरु से ही सुधार के पक्ष में था। धीरे-धीरे कन्जरवेटिव पार्टी को भी तैयार करता था कि वह सुधार के पक्ष में है। डिजरैली ने उन सारे प्रस्तावों को स्वीकार कर लिया जो ग्लैडस्टोन के रखे थे। जिसकी कोई कल्पना भी नहीं की थी। यह श्रेय डिजरैली की उसकी योग्यता गंभीरता एवं प्रभावशीलता के कारण दिया गया है। उसने एक तीव्र क्रांतिकारी प्रस्ताव को उन्हीं सदस्यों द्वारा स्वीकार कराने में सफलता प्राप्त की जिन्होंने एक वर्ष उसके साधारण रूप को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

NOTES

SUNDAY 01

1867 ई० के अधिनियम की विशेषताएँ थीं

(i) काउन्टियों में समस्त गृहस्वामियों को मताधिकार दिया गया जो कम से कम 5 पौंड की आय देने वाली अचल संपत्ति के मालिक थे। इतना ही नहीं सभी कि काश्तकारों को भी मताधिकार प्राप्त हो गया।

(2) शहरों के सभी मालिकों को मताधिकार दिया गया। इनके मकान का वार्षिक भाड़ा जो होता उन किरायेदारों को भी मताधिकार का अधिकार दिया गया [illegible] जो 10 पौंड वार्षिक किराया देते थे।

③ आयरलैंड के कम से कम 5 पौंड देनेवालों को मताधिकार दिया गया।

④ स्कॉटलैंड के सभी कर देनेवालों को मताधिकार दिया गया।

⑤ सीटों का पुनर्वितरण किया गया। [illegible] सभी सीटों को काउंटियों और बरों के बीच बाँट दिया गया। 12 नये बरो बनाये गये बड़े नगरों — जैसे बर्मिंघम, लीड्स, मैनचेस्टर को तीन-तीन प्रतिनिधि भेजने का अधिकार दिया गया।

कंजर्वेटिव पार्टी के अनेक नेता इस विधेयक से असंतुष्ट थे। उन्हें इस बात का आतंक था कि इसने उनकी पार्टी के [illegible] किया था इस पार्टी के एक इसी नेता ने निंदा करते हुए कहा कि कि "यह एक राजनीतिक विश्वासघात था।" उनका कहना था कि यह एक ~~घट~~ "अंधेरे में छलांग" के समान था। इस प्रकार आलोचना का विरोधी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इसके विपरीत परिणाम अच्छे

पार्टी के विरोध, के नतीजा का निकला था। इस विधेयक के निम्नलिखित परिणाम भी हुए।

① नगरों के समस्त श्रमिकों को मताधिकार प्राप्त हो गया।

② ग्रामीण क्षेत्रों के केवल कृषिक श्रमिकों को छोड़कर सबको मताधिकार प्राप्त हो गया।

③ इंग्लैंड अब भी रूप से निकल गया था। डिजरैली का उद्देश्य श्रमिकों को टोरी डेमोक्रेसी की ओर आकृष्ट करना था।

④ श्रमिकों को सत्ता प्राप्त करना था। अब श्रमिकों को अपना महत्व ज्ञात हो गया अब वे स्वयं सत्ता प्राप्त करना चाहते थे।

⑤ प्रजातंत्र का युग आरंभ होना शुरू हो गया। इंग्लैंड में अब वास्तविक प्रजातंत्र स्थापित हो गया था। इस का राजनीतिक तथा समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा।

⑥ 1867 का क्रांतिकारी विधेयक 1832 के अधिनियम से अधिक क्रांतिकारी था। इसने श्रमजीवियों के मताधिकार का विस्तार किया और नगरों में भी व्यावहारिक रूप से वयस्क मताधिकार स्थापित कर दिया। प्रत्येक प्रकार से इंग्लैंड को एक राजनीतिक प्रजातंत्र बना दिया।